<u>दीपावली की शुभकामनाएं</u>

अमल अकंप अधूम नित शाश्वत शुभ सुप्रकाश ।

एक दीप भासित सदा जिससे उर आकाश ।। 1 ।।

करे कृपा मां सिंधुजा उद्घाटित हो दीप।

मिटे दैन्य यह काल्पनिक प्रकटे आत्म महीप।। 2 ।।